

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान पिथौरागढ़ (डीडीहाट)  
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की चौथी वर्षगांठ (शिक्षा सप्ताह) पर  
दिनांक 22/07/2024 को प्रशिक्षण संस्थान में TLM पर कार्य व  
प्रदर्शन (प्रथम दिवस)।

आज दिनांक 22/07/2024 को जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में शिक्षा सप्ताह कार्यक्रम के अन्तर्गत TLM पर चर्चा सत्र का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन श्री विनोद कुमार सिंह बसेड़ा द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में प्राचार्य डायट श्री भाष्करानन्द पाण्डेय, श्री जे० वी० मिश्रा, श्री चन्द्रशेखर मखौलिया, श्री पुनीत प्रकाश जोशी, श्रीमती ममता खोलिया, श्री गोकर्ण राम लोहिया एवं डी०एल०एम० द्वितीय सेमेस्टर के सभी प्रशिक्षु उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में प्रशिक्षुओं द्वारा निम्न गतिविधियों के माध्यम से TLM पर कार्य एवं प्रदर्शन किया गया।

रमन सदन द्वारा टी०एल०एम० का प्रदर्शन



इस शिक्षण अधिगम सामग्री के जरिए हमने बच्चों को विभिन्न व्यवसायों की जानकारी दी और उन्हें हर एक व्यवसाय को पहचानने से संबंधित कुछ उदाहरण दिये और अंतर स्पष्ट किये। यह बच्चों को सिर्फ व्यवसायों के नाम ही याद कराने में नहीं, अपितु उनके व्यावहारिक जीवन में भी बेहद लाभप्रद है।

टी०एल०एम० की उपयोगिता—

शिक्षक विभिन्न सामग्रियों जैसे चार्ट, मॉडल, विडियो क्लिप आदि का उपयोग छात्रों की सीखने में रूचि जागृत करने और उन्हें शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में सक्रिय रूप से संलग्न रखने के लिए करते हैं। इन सामग्रियों को टी०एल०एम० या शिक्षण अधिगम सामग्री के रूप में जाना जाता है। यह विद्यार्थियों को आसानी और दक्षता के साथ अवधारणाओं को सीखने में मदद करते हैं। शिक्षण अधिगम को सार्थक बनाने के लिए और कौशल, तथ्य या विचार को समझने के लिए टी०एल०एम० का उपयोग करते हैं तथा बच्चों के लिए सीखने को सार्थक, व्यावहारिक, वास्तविक और मजेदार बनाते हैं।

34

## चाणक्य सदन द्वारा टी0 एल0 एम0 प्रदर्शन

टी0एल0एम0 निर्माण-

कक्षा 9 में गणित के विद्यार्थियों के लिए संख्या पद्धति की समझ के लिए टी0एल0एम0 निर्माण-



हमारे द्वारा कक्षा 9 के विद्यार्थियों के लिए संख्या पद्धति पर टी0एल0एम0 का निर्माण किया गया।

संख्या पद्धति क्या है-

प्राकृतिक संख्याएं	N	1,2,3,4,5,6 .....
पूर्ण संख्याएं	W	0,1,2,3,4,5....
पूर्णांक	Z	..-3,-2,-1,0,1,2,3,4....
परिमेय संख्या	Q	2/8,45/22,7/8....

3

• TLM प्रदर्शनी-

TLM प्रदर्शन के दौरान हमने TLM के उपयोग बताए तथा कक्षा में किस प्रकार TLM का उपयोग किया जाता है इस बारे में जानकारी दी।



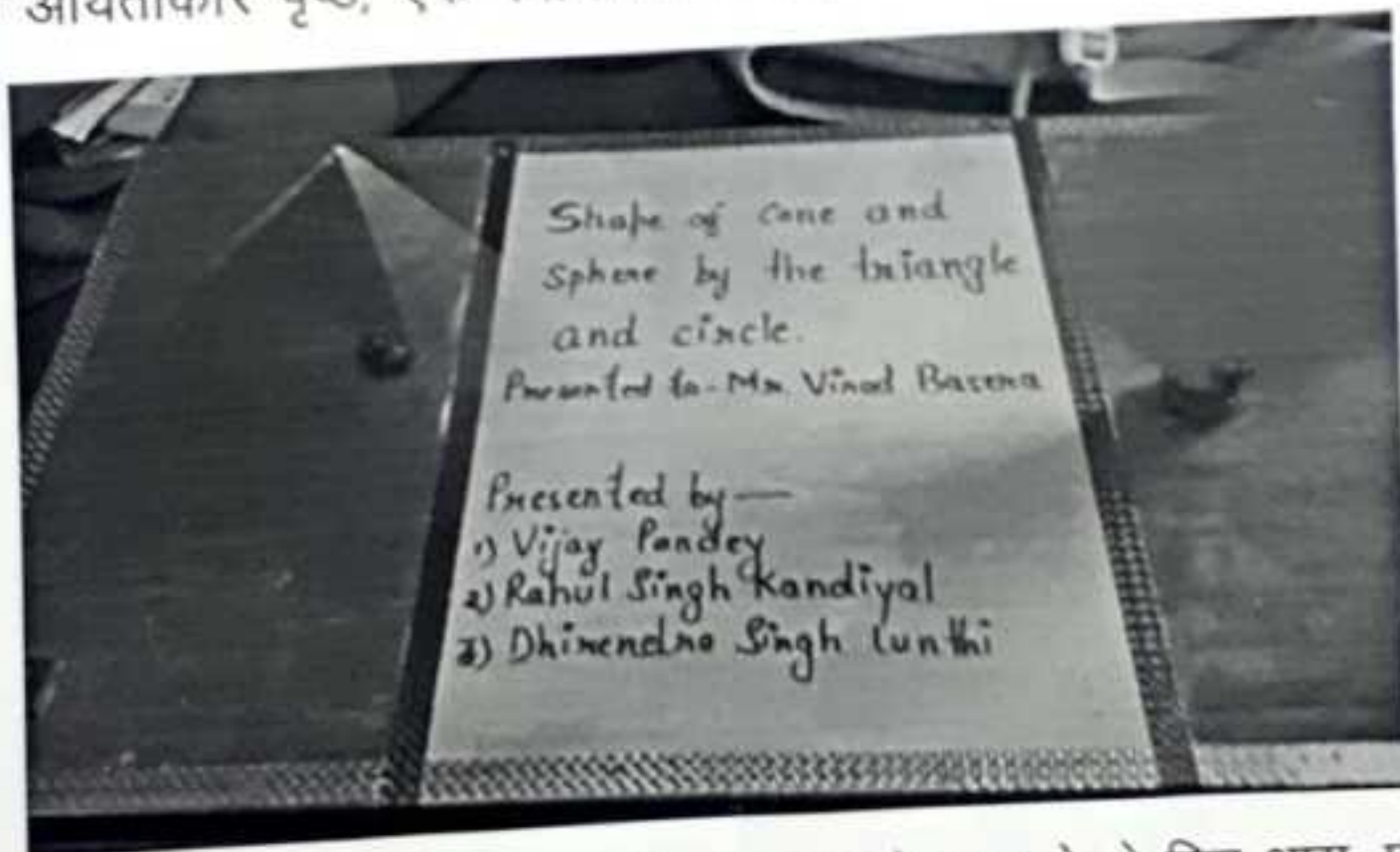
• निष्कर्ष-

टी०एल०एम० का प्रयोग करने से बच्चों की सक्रियता, समझ और धारणा में सुधार हो सकता है। यह उन्हें विषय को समझने में मदद कर सकता है और उन्हें अधिक समर्थ एवं स्वावलम्बी बना सकता है।

कुर्माचल सदन द्वारा टी० एल० एम० प्रदर्शन

शिक्षण अधिगम सामग्री

एक पौधा, एक आयताकार पृष्ठ, एक स्वनिर्मित मॉडल



कुर्माचल सदन द्वारा पौधा क्या है और पौधे के भागों को समझाने के लिए आस-पास के वातावरण में उपलब्ध वस्तुओं को व्यावहारिक जीवन से जोड़ने के लिए टी०एल०एम० के रूप में प्रयोग किया।

आयताकार पृष्ठ से गणित में आयत के परिमाप और क्षेत्रफल को कैसे निकाला जाता है, टी०एल०एम० के माध्यम से आसानी से समझाया गया है।

द्विविमीय आकृतियों जिनमें (x,y) अक्ष को प्रदर्शित किया जाता है। इसी प्रकार की सहायता से त्रिविमीय आकृतियों का निर्माण किया गया है। जिसमें वृत्त और त्रिभुज से गोला एवं शंकु का निर्माण किया गया है।

इसी प्रकार द्विविमीय आकृतियों की सहायता से त्रिविमीय आकृतियों का निर्माण किया गया है। जिसमें वृत्त और त्रिभुज से गोला एवं शंकु का निर्माण किया गया है।

*Handwritten signature*



जिसमें निम्न सामग्रियों का प्रयोग किया गया— बैटरी, कार्ड बोर्ड, स्विच, गोले एवं त्रिभुज आकृतियों का प्रयोग किया है।

जिसमें बैटरी के माध्यम से कार्डबोर्ड में निम्न प्रकार से संयोजित कर द्विविमीय आकृतियों से त्रिविमीय आकृतियों का निर्माण किया गया।

कलाम सदन द्वारा टी०एल०एम० का प्रदर्शन—

टी०एल०एम० निर्माण—

कक्षा ३ में हिन्दी के विद्यार्थियों के लिए शुद्ध वर्तनी की समझ के लिए टी०एल०एम० निर्माण।



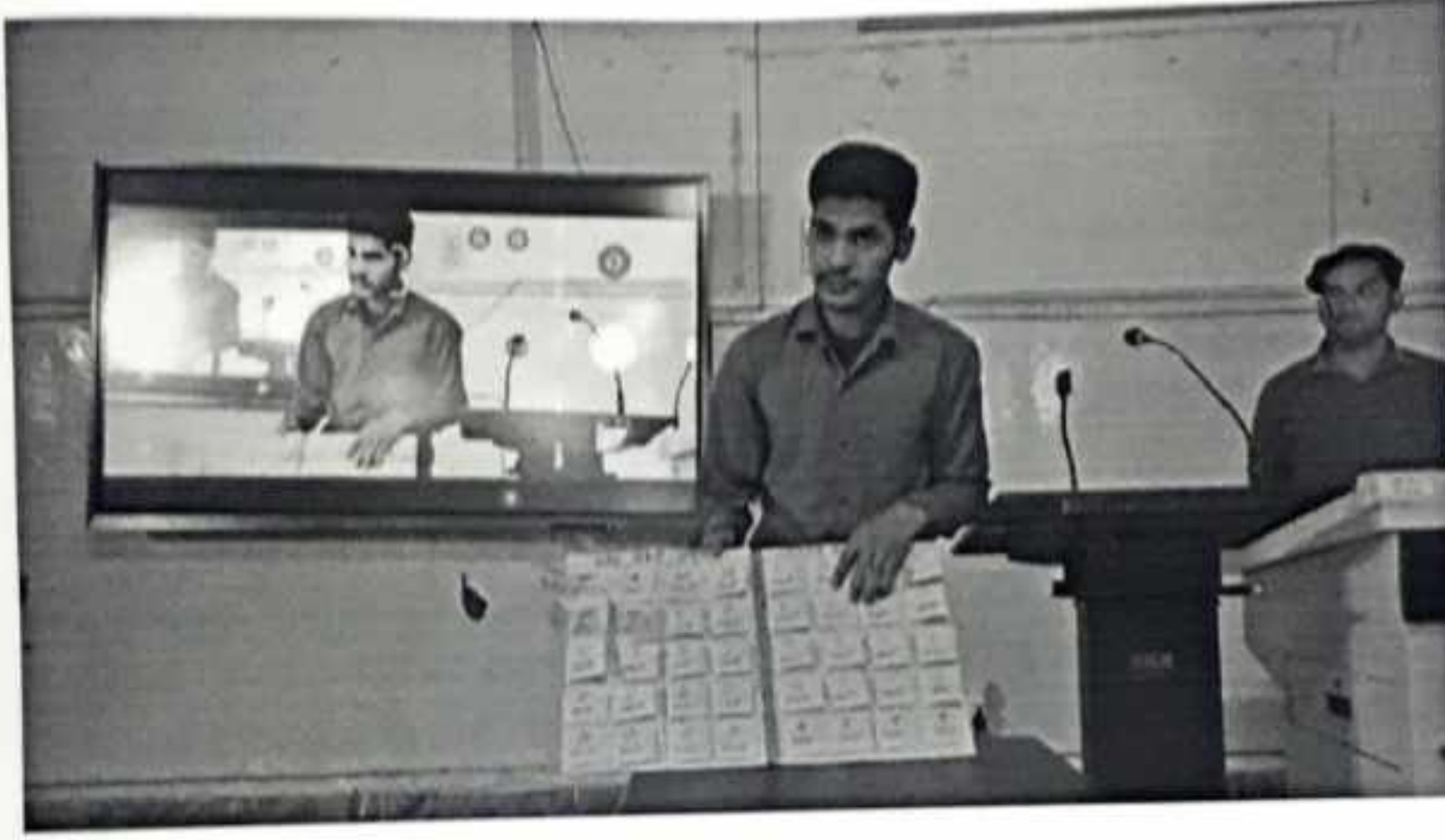
हमारे द्वारा कक्षा ३के विद्यार्थियों के लिए शुद्ध वर्तनी पर टी०एल०एम० का निर्माण किया गया।

टी०एल०एम० प्रदर्शनी—

टी०एल०एम० प्रदर्शन के दौरान हमने टी०एल०एम० के उपयोग बताये तथा कक्षा में किस प्रकार टी०एल०एम० का प्रयोग किया जाता है इस बारे में जानकारी दी।

३५

अशुद्ध वर्तनी	शुद्ध वर्तनी
अकाश	आकाश
अनुदित	अनूदित
जेसा	जैसा
उधम	ऊधम
आंख	आँख



#### निष्कर्ष—

टी0एल0एम0 का उपयोग करने से बच्चों की सक्रियता, समझ और धारणा में सुधार हो सकता है। यह उन्हें विषय को समझने में मदद कर सकता है और उन्हें अधिक समर्थ और स्वावलम्बी बना सकता है।

**Presented by – Vedanta house.**

On commemorating, the 4<sup>th</sup> Edition of New education policy (NEP), an event titled "The Importance of TLM in Teaching and Learning" was held at our institute D.I.E.T, Pithoragarh. The event aimed to equip educators with the knowledge and skills to effectively utilize Teaching and Learning Materials (TLM) in their classrooms.

#### Key Points:

- The session began with a dynamic presentation highlighting the various benefits of TLM. This included aspects like increased student engagement, improved comprehension of complex topics, and catering to diverse learning styles.
- Presenters explored different categories of TLM, encompassing traditional tools like charts and models, alongside newer digital resources and real-world experiences.
- Participants actively participated in group discussions on strategies for selecting and integrating TLM into lesson plans.

*[Handwritten signature]*

- The workshop provided teachers with a renewed understanding of the importance of TLM in promoting effective learning.
- Participants gained valuable insights into selecting and using a variety of TLM to cater to diverse student needs.
- The interactive session fostered a collaborative environment for educators to share ideas and best practices for TLM integration.

#### T.L.M Description:



- **3D Model:** We constructed a 3D model of the Earth using [materials used]. Each layer (crust, mantle, core) was clearly differentiated by color and texture to represent its composition.
  - **Interactive Diagram:** We designed a large, interactive diagram with labeled sections representing the Earth's layers. Flaps or sections could be lifted to reveal additional details about each layer's properties.
  - The presentation began with a captivating introduction highlighting the importance of understanding the Earth's internal structure.
  - We then unveiled the TLM and explained its design and functionality.
  - Key features of the TLM were demonstrated, showcasing how it can visually represent the different layers, their properties, and their relative sizes.
- The audience gained a clear understanding of the TLM's purpose and how it can be utilized in the classroom. Overall, the presentation of our Earth's Crust, Mantle, and Core TLM was well-received.*

कार्यक्रम के अन्त में प्राचार्य जी द्वारा सभी टी०एल०एम० का निरीक्षण कर टी०एल०एम० की उपयोगिता तथा महत्व को समझाया गया तथा सभी प्रशिक्षुओं को आगामी समय में अपने विद्यालयों में टी०एल०एम० के अधिक से अधिक उपयोग के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्री विनोद कुमार सिंह बसेड़ा द्वारा सम्पन्न किया गया।

दिनांक— 22 / 07 / 2024

स्थान— डायट डीडीहाट

*Vijay*